सुविधा

लैब के बारे में विद्यार्थियों को कराया अवगत

कॉलेज वर्चुअल लैब के नोडल सेंटर का उद्घाटन

पत्रिका न्यूज नेटवर्क

[illegible]

सांभरलेक [illegible] राजकीय शाकम्भर स्नातकोत्तर महाविद्यालय, प्रदेश का [illegible] राजकीय महाविद्यालय बन गया है, जिसे भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान के समन्वयन में वर्चुअल लैब के नोडल सेंटर के रूप में मान्यता दी गई है। इसका उद्घाटन महाविद्यालय के प्राचार्य डा. राजेन्द्र जोशी द्वारा किया गया। साथ ही महाविद्यालय द्वारा एक [illegible] कार्यशाला बेबिनार में वर्चुअल लैब के बारे में विद्यार्थियों को अवगत कराया। आई.आई.टी. दिल्ली के वर्चुअल लैब प्रोजेक्ट टीम के प्रतीक [illegible] तथा शिवम सुन्दरम ने

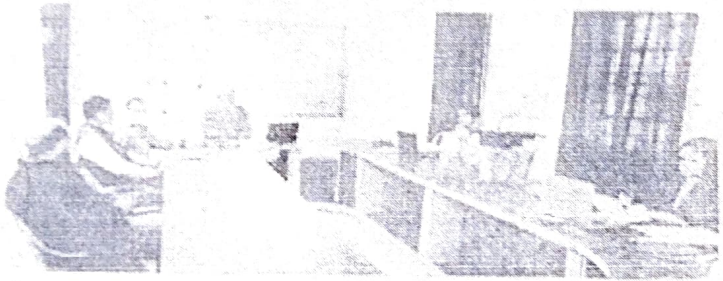

सांभर राजकीय महाविद्यालय में वर्चुअल लैब का शुभारम्भ करते हुए।

विद्यार्थियों तथा शिक्षकों को वर्चुअल लैब के सैद्धान्तिक तथा प्रायोगिक आयामों से परिचित करवाया।

वर्चुअल लैब के माध्यम से छात्र-छात्राओं विज्ञान के विषयों में प्रयोगशालाओं के लिए इंटरनेट आधारित रिमोट-एक्सेस की सुविधा निःशुल्क व 24 घंटे 7 दिनों घंटे उपलब्ध रहेगी। दूरस्थ प्रयोग के माध्यम से बुनियादी और उन्नत अवधारणाओं को सीखने में मदद मिलेगी। इस प्रोजेक्ट का मुख्य उद्देश्य छात्रों में जिज्ञासाओं को जगाकर प्रयोग करने के लिए उत्साहित करना, महंगे उपकरण और संसाधन साझा करना एवं पूर्ण शिक्षण प्रबंधन प्रणाली प्रदान करना है, जिसमें अतिरिक्त वैध संसाधन वीडियो-व्याख्यान, एनिमेटेड-प्रदर्शन और आत्म मूल्यांकन सहित सीखने के लिये विभिन्न उपकरणों का लाभ उठा सकते हैं। वर्चुअल लैब नोडल सेंटर की गतिविधियों के संचालन के लिए डॉ. प्रियंका शर्मा, सहायक आचार्य प्राणीशास्त्र को नोडल कॉर्डिनेटर नियुक्त किया गया है।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. राजेन्द्र जोशी ने बताया कि महाविद्यालय में वर्चुअल लैब संचालित हो जाने के बाद महंगे उपकरणों, रसायनों व प्रायोगिक कार्य से संबंधित अन्य वस्तुओं को क्रय करने की आवश्यकता नहीं होगी जिससे महाविद्यालय में प्रायोगिक कार्यों में होने वाली आर्थिक व्यय में कमी आएगी। अतिथियों का परिचय डॉ. जया राय द्वारा दिया गया तथा कार्यक्रम का संचालन डॉ. ललिता शर्मा द्वारा किया गया। अंत में डॉ. सोमा कुलश्रेष्ठ द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव द्वारा कार्यक्रम का समापन किया गया। आयोजन समिति सदस्य डॉ. किरण शुक्ला, डॉ. आर. के. शर्मा, डॉ. ज्ञान प्रकाश दायमा, डॉ. एन.ए. कुरेशी, डॉ. जे. पी. पारीक, डॉ. आर. एस. साहू, डॉ. सुनिता परेवा एवं महाविद्यालय के अन्य संकाय सदस्य भी उपस्थित रहे।

सांभर कॉलेज को वर्चुअल लैब के लिये नोडल सेंटर की मान्यता

- मानव संसाधन विकास मंत्रालय की अनूठी पहल

सांभरझील, (निसं)। राजकीय शाकम्भर स्नातकोत्तर महाविद्यालय प्रदेश का ऐसा पहला कॉलेज बन गया है जिसे आईआईटी दिल्ली के समन्वयन में वर्चुअल लैब के लिये नोडल सेण्टर के रूप में मान्यता प्रदान की गयी है। इसके माध्यम से एमएमईआईसीटी के तहत केन्द्र सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय की ओर से इसके लिये महत्वपूर्ण पहल की गयी है। यह विज्ञान एवं इंजीनियरिंग के क्षेत्र में एक नया आयाम स्थापित करेगा।

इस प्रोजेक्ट में विभिन्न आईआईटी विश्वविद्यालय एवं राष्ट्रीय स्तर के अन्य तकनीकी संस्थान शामिल हो सकेंगे। महाविद्यालय प्रशासन की ओर से इस सम्बन्ध में जानकारी देते हुये बताया कि इन सभी संस्थानों में इंजीनियरिंग एवं साइंस के विभिन्न विषयों में होने वाले प्रयोगों को इंफॉर्मेशन एवं कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी की मदद से वेब इनेबल्ड प्रयोगों के रूप में विकसित कर वर्चुअल लैब पोर्टल पर भी उपलब्ध कराया जायेगा। साथ ही वर्चुअल लैब के माध्यम से विद्यार्थियों को विज्ञान के विभिन्न विषयों में प्रयोगशालाओं के लिये इण्टरनेट आधारित रिमोट एक्सेस की सुविधा पूरे सप्ताह चौबीस घण्टे उपलब्ध रहेगी। दूरस्थ प्रयोग के माध्यम से बुनियादी और उन्नत अवधारणाओं को सीखने में भी काफी मदद मिल सकेगी। इस प्रोजेक्ट का मुख्य उद्देश्य छात्रों की जिज्ञासाओं को जगाकर प्रयोग करने के लिये उत्साहित करना, महंगे उपकरण और संसाधन साझा करना एवं पूर्ण शिक्षण प्रबन्धन प्रणाली प्रदान करना भी है, जिसमें अतिरिक्त वेब संसाधन वीडियो के जरिये व्याख्यान, एनिमेटेड प्रदर्शन और आत्म मूल्यांकन सहित सीखने के लिये विभिन्न उपकरणों का लाभ भी विद्यार्थी उठा सकेंगे। इस सबसे बड़ा फायदा यह भी होगा कि वर्चुअल लैब संचालित होने के बाद महंगे उपकरणों, रसायनों व प्रायोगिक कार्य से सम्बन्धित अन्य वस्तुओं को क्रय करने की भी आवश्यकता नहीं रहेगी साथ ही महाविद्यालय में प्रायोगिक कार्यों में होने वाला आर्थिक बोझ भी कम जायेगा।

प्राचार्य
राजकीय शाकम्भर स्नातकोत्तर म
सांभर लेक (जयपुर)